तरंग

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल का मासिक ई-न्यूज़लेटर

माह अगस्त 2024

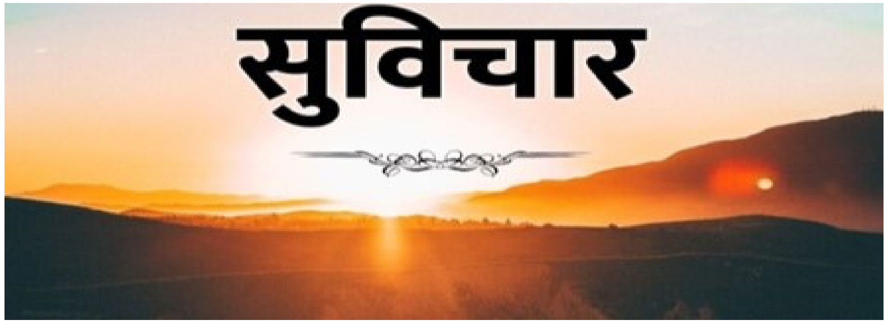

लंबी छलांगों से कहीं बेहतर है निरंतर बढ़ते कदम.....

यही आपको एक दिन मंज़िल तक ले जाएंगे।

महाविद्यालयीन गतिविधियां

विदाई समारोह

दिनांक 30 जून 2024 को रसायनशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. नीलम चोपड़ा और प्रयोगशाला तकनीशियन श्री हरीश चन्द्र मिश्रा को महाविद्यालय परिवार की ओर से भावभीनी विदाई दी गयी। सेवातिवृत्ति का यह क्षण भावुक कर देने वाला था। प्राचार्य महोदय ने मेडम चोपड़ा और श्री हरीश मिश्रा को स्वस्थ, दीर्घायु और प्रसन्नचित्त रहने की शुभकामनाएँ दीं। स्टाफ क्लब की ओर से प्राचार्य जी ने प्रतीक चिह्न, शॉल और श्रीफल देकर सेवानिवृत्त प्रो. चोपड़ा मेडम और श्री हरीश मिश्रा जी को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मेडम और मिश्रा जी ने अपनी अपनी सेवा यात्रा के बारे में बताया और सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

दीक्षारंभ का गरिमामय आयोजन

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल में दिनांक 1, 2 एवं 3 जुलाई 2024 को दीक्षारंभ का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रथम वर्ष के सभी संकाय के नवागत विद्यार्थी सम्मिलित हुए। प्राचार्य और जनभागीदारी अध्यक्ष का प्रेरणाप्रद उद्बोधन, प्राध्यापकों द्वारा स्वयं का परिचय और वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा रोली, कुमकुम से सम्मान एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्व बताया। आपने महाविद्यालयीन शैक्षणिक स्टाफ की बहुत प्रशंसा की। जनभागीदारी अध्यक्ष माननीय बारेलाल अहिरवार जी ने सभी का स्वागत करते हुए 26 जनवरी और 15 अगस्त को अनिवार्यतः कॉलेज आने के लिए कहा। महाविद्यालय में चल रही योजनाओं की जानकारी देने के साथ साथ उन्हें प्रयोगशाला, पुस्तकालय का भ्रमण भी करवाया गया। समापन के अवसर पर इन विद्यार्थियों के चेहरे पर प्रसन्नता देखते ही बनती थी। अदिति चौधरी ने अपनी स्वरचित कविता सुनाई। निधि विश्वकर्मा ने सभी प्रोफेसरों को धन्यवाद देते हुए उन्हें सच्चा मार्गदर्शक बताया। वृतांत और जतिन ने तीन दिनों के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. गरिमा जाउलकर थीं। दीक्षारंभ अपने उद्देश्य में पूर्णतः सफल रहा।

गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम

21.7.2024 भोपाल! *ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में गुरू की भूमिका अहम होती है, गुरू और शिष्य का सबसे पवित्र सम्बंध होता है, गुरू-शिष्य परम्परा का निर्वहन आज की आवश्यकता है* उक्त विचार सेवानिवृत गुरूओं ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल मे गुरुपूर्णिमा अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में व्यक्त किए

भेल कालेज में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में उच्च शिक्षा के सेवानिवृत अतिरिक्त संचालक डॉ. व्ही एस सिंह, डॉ यू.सी. जैन, डॉ एच.के.तिवारी, सेवानिवृत प्राचार्य डॉ इंदु प्रभा तिवारी, डॉ नवनीत श्रीवास्तव एवं शिक्षाविद् सेवानिवृत डीजीएम एस बी आई श्री गोपाल राठोर, सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री शोभा पाण्डे को जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार एवं प्राचार्य डॉ संजय जैन ने शाल, श्रीफल एवं तिलक लगा कर सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भी उपस्थित सभी शिक्षकों का तिलक और पुष्पगुच्छ से स्वागत व सम्मान किया। गुरू पूर्णिमा का महत्त्व, गुरू-शिष्य परम्परा, शिक्षा में नैतिकता और वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नैतिक शिक्षा की भूमिका बतलाते हुए डॉ व्ही एस सिंह ने कहा कि ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में गुरू की भूमिका अहम होती है, निष्ठा, प्रतिबद्धता और शिष्यों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना गुरू को महान बनाती है, डॉ यूसीजैन ने कहा कि गुरू-शिष्य परम्परा का निर्वहन आज के युग की आवश्यकता है। डॉ एच के तिवारी ने बताया कि वर्तमान में उच्च तकनीकी साधनो के उपलब्ध होने पर भी गुरू का महत्त्व और अधिक बढ़ा है। डॉ इंदु प्रभा तिवारी ने शिक्षा में नैतिकता की आवश्यकता को समझाते हुए गुरू को संरक्षक, संवाहक और प्रदाता की उपमा दी। श्री रमाकांत तिवारी ने कहा कि भगवान श्री राम ने भी अपने जीवन में गुरू को सर्वोपरि माना। तभी वे मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। कार्यक्रम के प्रारंभ मे अपने स्वागत उदबोधन में प्राचार्य ने सभी आमंत्रितो के पधारने पर आभार माना तथा उनके द्वारा इस संस्था के लिए किए उल्लेखनीय कार्यो के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। अध्यक्ष जनभागीदारी श्री बारेलाल अहिरवार ने कबीर के दोहे का उदाहरण देते हुए गुरू की भूमिका उस कुम्हार से की, जो शिष्य रूपी घड़ों का निर्माण करता है। बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा श्रीया विश्वकर्मा ने गुरू शिष्य अंतर्संबंध को उद्घाटित करती हुई एक स्वरचित कविता प्रस्तुत की। डॉ शीला कुमार के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ समता जैन ने तथा आभार डॉ अनुपमा यादव ने व्यक्त किया। समारोह में महाविद्यालय का स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साह से सहभागिता की।

स्वरचित साहित्य मंच की गोष्ठी

22.7.2024 स्वरचित साहित्य मंच के अंतर्गत आयोजित कवि गोष्ठी में विद्यार्थियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया। इस बार अभिव्यक्ति का विषय-गुरू महिमा रखा गया था। प्राची विश्वकर्मा, खुशी बोरसे, वंदना लोधी, मनन दीक्षित, अभिषेक और श्रीया विश्वकर्मा ने अपनी मौलिक, स्वरचित कविताओं की प्रस्तुति से सभागार में उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया। **जीवन मेरा तरुवर भांति, जल बन कर तुम पोषण कर दो।** श्रीया की इस पंक्ति पर, उपस्थित श्रोताओं की बहुत सराहना मिली। मनन ने अपनी भावनाओं को शब्द-दक्षिणा कहा। भेल कॉलेज में प्रतिमाह एक बार इस मंच के अंतर्गत रचनात्मक प्रस्तुति का यह नवाचार किया जाता है। युवा विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ने का हिंदी विभाग का यह विशिष्ट प्रयास है। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की अध्यक्ष और स्वरचित साहित्य मंच की प्रभारी डॉ. सुषमा जादौन ने सभी विद्यार्थियों और उपस्थित प्राध्यापकों को धन्यवाद दिया।

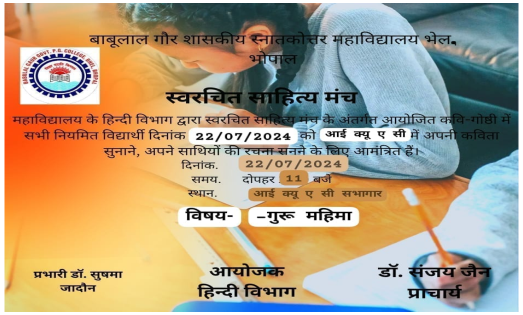

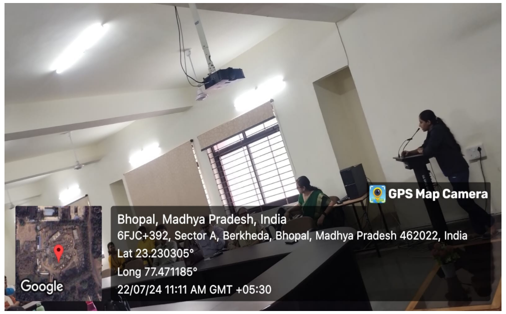

एक पेड़ मां के नाम

पर्यावरण की रक्षा करने के लिए पौधा रोपने से अच्छा और पवित्र कोई कार्य नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी जी की इसी भावना का सम्मान करने के लिए म.प्र. के मुख्यमंत्री और युवा विद्यार्थियों के साथ जम्हूरी मैदान में प्राध्यापकों ने भी हर्षोल्लास के साथ वृक्षारोपण किया। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की यह थीम थी, जिससे प्रत्येक व्यक्ति ने अपना जुड़ाव अनुभव किया। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल के विद्यार्थी भी इसमें पीछे नही रहे और जम्हूरी मैदान पर जाकर पौधा रोपण किया।

मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती पर एक विचार गोष्ठी

31.7.2024 हिंदी विभाग द्वारा मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर, विद्यार्थियों और प्राध्यापकों द्वारा, हिंदी साहित्य के कालजयी रचनाकार, कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान का स्मरण किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता और अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इला रानी श्रीवास्तव ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद 20वीं शताब्दी के अमर शिल्पी हैं। उनके उपन्यास और कहानियां, हिंदी साहित्य की ही नहीं, अपितु विश्व की भी धरोहर हैं। इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा जादौन ने मुंशी प्रेमचंद की भाषा, सामाजिक जीवन के सच्चे चित्रण पर आधारित प्रसिद्ध कहानियों-पंच परमेश्वर, ईदगाह, बड़े घर की बेटी, बूढ़ी काकी आदि का नामोल्लेख किया। श्रीया विश्वकर्मा, वंदना लोधी और मेघा अहिरवार ने कथाकार प्रेमचंद के साहित्यिक कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस विचार गोष्ठी में डॉ. गरिमा जाउलकर, डॉ. ए.के.महागाये, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. गीता चौहान, पूनम वरबड़े और महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

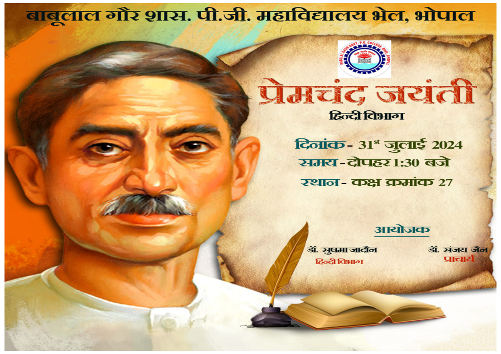

संगोष्ठी-सहभागिता

भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित राष्ट्रीय शोध कार्यशाला में महाविद्यालय की सहभागिता

भारतीय ज्ञान परंपरा : अर्थशास्त्र विषय के संदर्भ में

हिंदी भाषा और साहित्य का पुनरवलोकन

भारतीय ज्ञान परम्परा एवं शोध अनुसंधान

MP-PSC वर्ष 2021 के Toppers द्वारा मार्गदर्शन

दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत और परिवार का सहयोग, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का मंत्र - अंकिता पाटकर

प्रतियोगी परीक्षाओं मे सफलता के लिए कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय, स्वयं पर विश्वास, गुरुओं का मार्गदर्शन, परिवार का सहयोग और ईश्वर की कृपा आवश्यक है। यह बात हाल ही में घोषित एमपी पीएससी (2021) के परिणामों में सफल प्रतिभागियों ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल में स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाईडेंस सेल द्वारा समुत्कर्ष संस्थान के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कही।

एमपी पीएससी में प्रथम रेंक हासिल कर डिप्टी कलेक्टर पद के लिए चयनित भेल कॉलेजों की एमएससी मैथ्स की छात्रा **अंकिता पाटकर ने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का श्रेय लक्ष्य निर्धारण, कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय, स्वयं पर विश्वास और ईश्वर कृपा को दिया।** डिप्टी कलेक्टर के लिए चयनित तृतीय रेंक प्राप्तकर्ता पूजा चौहान एवं डीएसपी पद पर चयनित भुवनेश चौहान ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार के सहयोग एवं विश्वास, कड़ी मेहनत और ईश्वर के आशीर्वाद तथा गुरुओं के मार्गदर्शन को दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार और प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने सभी सफल प्रतिभागियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत सम्मान किया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि सुश्री अंकिता पाटकर ने एमपी पीएससी में प्रथम रेंक प्राप्त कर भेल महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। संस्थान की उपादेयता साबित की है। मोटिवेशनल स्पीकर अभिषेक खरे ने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के गुण बताए। समुत्कर्ष संस्थान के संयोजक डॉ. गजेन्द्र यादव ने छात्र छात्राओं को अपने संस्थान से नि:शुल्क कोचिंग प्राप्त करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन कॅरियर गाईडेंस सेल समन्वयक प्रो. प्रतिभा डेहरिया ने किया।

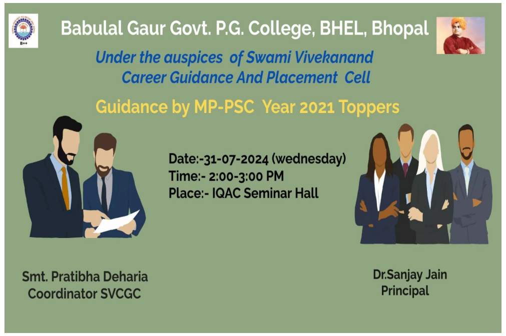

उपलब्धियाँ

तरंग 'स्टार'

इस माह स्टूडेंट उपलब्धि के अन्तर्गत श्रीया विश्वकर्मा ने तरंग 'स्टार' का गौरव प्राप्त किया है। श्रीया बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा हैं। पिछले दिनों पंडित कुंजीलाल संसदीय विद्यापीठ में आयोजित अन्तर्महाविद्यालयीन वाद विवाद प्रतियोगिता में उन्होंने विषय के विपक्ष में सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया था। दिनांक 23 जुलाई 2024 को माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में संसदीय पीठ की निदेशक डॉ. प्रतिमा यादव द्वारा नकद 3000 रु. और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रीया विश्वकर्मा को हार्दिक बधाई।

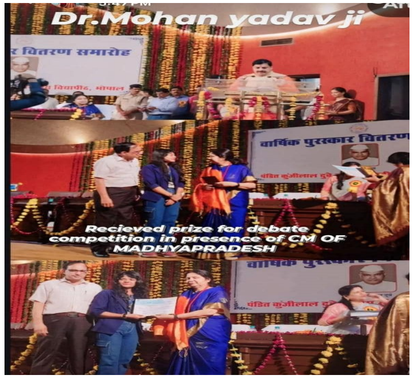

इसे भी जानिए

Student Management Information System

महाविद्यालय में SMIS की सुविधा उपलब्ध है। SMIS एक अकादमिक पोर्टल है, इसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थी उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्राप्त रजिस्ट्रेशन आईडी प्राप्त होने के पश्चात् अपनी समस्त प्रकार की जानकारी दर्ज करते है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को परिचय पत्र (ID Card) प्रदान किये जाते है एवं अन्य अकादमिक गतिविधियों में महाविद्यालय SMIS में उपलब्ध जानकारियों का उपयोग किया जाता है।

मेरी कलम से

खुशी द्विवेदी
बी.ए तृतीय वर्ष

‘मेरा भाई’

माँ के दुलारे हो तुम
बाबा की आंख के तारे हो तुम
मुझसे तो लड़ते अकसर
लेकिन बहुत प्यारे हो तुम
इतने मेहनती हो तुम
घर से दूर हो के भी घर की फिक्र में हो तुम
मेरी फीस भरी कि नहीं, सच भाई, सबके सहारे हो तुम
सबकी आँखों के तारे हो तुम।
मेरे लिए हर कदम पर खड़े हो तुम
तकलीफ, ना बता के खुश हूं पापा कहने वाले तुम
हम सबके
दुलारे हो तुम
मेरे बड़े भाई, सबसे न्यारे हो तुम।

‘संघर्ष’

जब तक जिंदगी समझ न आये,
चलो ठोकरें खायें
कुछ तो खोना है, बहुत कुछ पाना है
मुझे अपनी किस्मत को आज़माना है
यूं ना थक कर बैठ ऐ मुसाफिर,
सारी बंदिशो को तोड़ कर
खुद को इंसान बनाना है।
कांटे भी हो यदि, मार्ग में तेरे
उन कांटों में चलते जाना है।
अगर जिंदगी को समझना है तो ठोकरें खाना है...
रख भरोसा होगा वैसा
तूने जैसा सोचा होगा
सपना तेरा पूरा होगा
मोह, अफसोस त्याग सभी को,
मेहनत को अपनाना होगा।
तुझे स्वयं से लड़ना होगा.....

अन्य सचित्र गतिविधियां

करगिल विजय दिवस अवसर पर शौर्य स्मारक पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रदर्शन

संपादक की पाती

महाविद्यालयीन परिवार के समक्ष ई न्यूज लेटर तरंग का 'अगस्त' अंक प्रस्तुत है। इस अंक में स्टूडेंट-उपलब्धि, साहित्यिक प्रस्तुति और पर्यावरण के प्रति हमारे दायित्व की खबरें प्रकाशित की गयी है। आशा है, आपको यह अंक प्रभावी और जानकारी पूर्ण लगा होगा। आपके सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

सौजन्य ई-न्यूज़लेटर समिति : - डॉ सुषमा जादौन (संयोजक) - डॉ कीर्ति श्रीवास्तव - डॉ इलारानी श्रीवास्तव - डॉ मीता बादल - सुश्री आरती कैथल (कम्प्यूटर वर्क)